वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 251 शुक्रवार 30 जनवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पीएमश्री विद्यालय बन रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रतीक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से सुनहरे भविष्य निर्माण की नींव रख रही है। इसी दिशा में प्रदेश के पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) विद्यालय विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाओं, प्रशिक्षित शिक्षकों, नवाचारों, गतिविधि-आधारित शिक्षण और मूल्य आधारित अनुशासन के साथ शैक्षणिक रूप से सक्षम बना रहे हैं।

शिक्षकों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था

जयपुर. कासं

पीएमश्री (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) विद्यालय उत्कृष्ट प्रबंधन की अवधारणा पर आधारित हैं, जहां विद्यार्थियों को व्यावहारिक वातावरण एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इन विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना के तहत राजस्थान में कुल 639 विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। पहले चरण में 402 और दूसरे चरण में 237 विद्यालयों में भवनों का कायाकल्प और आधुनिकीकरण करते हुए आधारभूत संसाधनों का

विस्तार किया गया है।

बाल वाटिकाओं का हो रहा संचालन

इन सभी 639 पीएमश्री विद्यालयों में बाल वाटिकाएं संचालित की जा रही हैं। प्रथम चरण के अंतर्गत विद्यालयों में अंश, अनमोल एवं आलोक वर्कबुक, चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों को भी शिक्षा प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो। इन बाल वाटिकाओं में एनटीटी शिक्षकों एवं सहायक कर्मियों का भी प्रावधान किया गया है। पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों को आवासीय प्रशिक्षण, एबीएल किट तथा आईआईएम उदयपुर द्वारा नवाचार आधारित नेतृत्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। जयपुर, सिरोही और उदयपुर में आयोजित कैंप्स ने शिक्षण गुणवत्ता को नई दिशा दी है।

डिजिटल लाइब्रेरी, ओ-लैब और एक्सपोजर विजिट

प्रदेश के 500 पीएमश्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी और 142 विद्यालयों में ओ-लैब स्थापित की गई हैं। सत्र 2024-25 में 623 विद्यालयों को 2492 विज्ञान एवं गणित किट उपलब्ध करवाई गई हैं। शैक्षणिक एवं औद्योगिक एक्सपोजर विजिट के माध्यम से विद्यार्थियों में व्यवहारिक ज्ञान और रोजगारोन्मुखी समझ विकसित की जा रही है।

पीएमश्री विद्यालयों की पहली बार राज्य स्तरीय रैंकिंग जारी

पहली बार प्रदेश के सभी 639 पीएमश्री विद्यालयों की रैंकिंग जारी की गई है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा जारी की गई यह रैंकिंग 18 मानकों पर आधारित है। इस रैंकिंग में पीएमश्री धावा (जोधपुर), पीएमश्री सावर (अजमेर), पीएमश्री मानपुरा माचेड़ी (जयपुर), पीएमश्री जोधकिया (हनुमानगढ़) और पीएमश्री रींगस (सीकर) शीर्ष पांच पीएमश्री विद्यालय रहे हैं।

छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण

राज्य के सभी पीएमश्री विद्यालयों में संविधान कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक हो। साथ ही, छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट ट्रेनिंग उपलब्ध कराते हुए 144 विद्यालयों में सेनेटरी पैड इंसीनरेटर मशीनों की स्थापना की जा रही है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की आत्मा है कश्मीर: राज्यपाल

राज्यपाल बागड़े से कश्मीर के छात्र प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से गुरुवार को लोकभवन में भारत दर्शन के अंतर्गत कश्मीर के छात्र प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। राज्यपाल ने इस दौरान प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की आत्मा है कश्मीर। विविधता में

एकता लिए भारत की संस्कृति प्रांतों की परम्पराओं, वहां के ऐतिहासिक स्थलों और प्रकृति से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत दर्शन का अर्थ ही है, एक भारत श्रेष्ठ भारत से साकार होना। उन्होंने कश्मीर के इतिहास, संस्कृति और वहां की परम्पराओं को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारत की आत्मा है। हम सभी मां भारती के लिए सोच रखते हुए कार्य करें।

दसवीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, श्रीनगर के साथ आए इस भारत दर्शन प्रतिनिधिमंडल में कश्मीर के श्रीनगर, पुलवामा, बारामुला, कुपवाड़ा आदि क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने राज्यपाल बागड़े से यात्रा और भारतीय संस्कृति को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए। राज्यपाल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

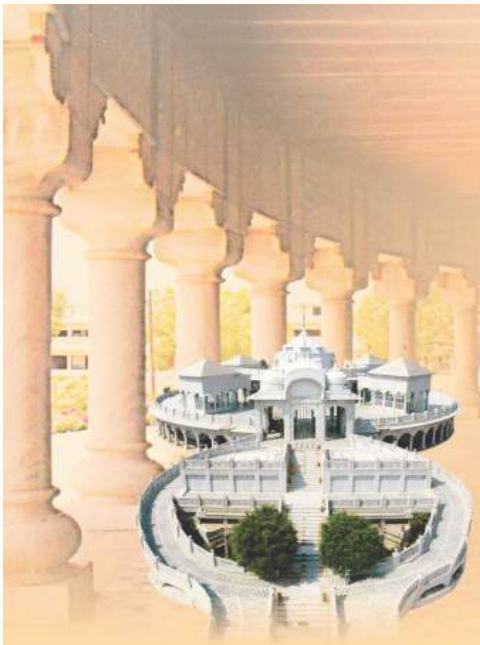

|| श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः ||
पद्मपुरा
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव
दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026
श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी
एवं
पद्मबल्लभ शिखर कलश - ध्वजारोहण महामहोत्सव
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
पद्मपुरा (बाड़ा) जयपुर, राजस्थान
: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ
: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ
प्रतिष्ठाचार्य : पं. हँसमुख जी जैन (धरियावद) राज.
: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि
पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज
ससंघ
पधारो
पद्मपुरा बाड़ा
जहां धर्म की ज्योति प्रज्ज्वलित होती है
: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका
105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी
ससंघ
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में इन्द्र एवं अन्य पात्र बनने के लिए सम्पर्क करें।
सुधीर कुमार जैन 'एडवोकेट' 94140 50432
हेमन्त सौगानी 'एडवोकेट' 98290 64506
राजकुमार कोठ्यारी 94140 48432
निवेदक
पद्मपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
अन्तर्गत : प्रबन्ध समिति, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा (बाड़ा), जयपुर, राजस्थान
सकल दिगम्बर जैन समाज पद्मपुरा एवं जयपुर (राजस्थान)
महोत्सव कार्यालय : एच-24, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302 001 | मोबाईल नम्बर : 94140 48432, 98290 64506
क्षेत्रीय कार्यालय : बाड़ा पदमपुरा जयपुर 303 903 | मोबाईल नम्बर : 90579 03365

श्याम देव स्कूल भोमपुरा में हर्षोल्लास के साथ मना गणतंत्र दिवस

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

रावतसर. शाबाश इंडिया

भोमपुरा स्थित श्री श्याम देव स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों के परिसरों में ध्वजारोहण के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही।

शानदार ध्वजारोहण और देशभक्ति का संकल्प

अंग्रेजी माध्यम स्कूल में मुख्य अतिथि हरिराम भादू, देवीराम भादू, बनवारी लाल शर्मा, धर्मपाल न्यौल, होशियारी लाल सिंघला, कालूराम बिरट, आत्माराम धुंधवाल और संस्था निदेशक सुरेंद्र भादू ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। वहीं, हिंदी माध्यम परिसर में प्रहलाद भादू, पवन भादू, बंशीलाल कसवां, महेंद्र पेंटर और सतवीर भादू द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान राष्ट्रगान की गूंज के साथ सभी ने देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से ''देश नु चलो'' और 'जज्बात बदल देंगे' जैसे कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों–कार्तिक भादू, सुबोध शर्मा, दीपांशु गोदारा, शकीला वर्मा, कोमल भादू, प्रीति सुथार और सलोनी शर्मा को सम्मानित किया गया।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

वर्षभर की शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर अशोक पारीक, स्नेहा गोदारा, पीयू शर्मा, स्नेहा कड़वासरा, ईशा गोदारा, जयदीप पूनिया, रामदेव पड़गड़, आरजू, महिमा सोनी, निकिता भांभू, तपेश जैन और मन्नत भारी के चेहरे खिल उठे।

गरमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में सरपंच दर्शना रायसिंह सहारण, दुनिराम कसवां, सतवीर गोदारा, अमरचंद छींपा, आत्माराम सुथार, बलराम भारी और पंकज जैन सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संस्था प्रधान सतवीर भादू ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ और छात्र स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

आर्यिका शिरोमणि श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी का ग्राम हमीरपुर में पाद प्रक्षालन

जहाजपुर. शाबाश इंडिया

जहाजपुर स्थित स्वस्तिधाम की स्वप्नदृष्टा गणनी आर्यिका शिरोमणि श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी का ग्राम लाम्बा में आहार-सामायिक के पश्चात लगभग 400 पद यात्रियों के साथ भव्य जुलूस के रूप में स्टेट हाईवे पर स्थित ग्राम हमीरपुर में ससंघ मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर कामदार परिवार के मुखिया श्रावक श्रेष्ठी श्री हरकचंद बडजात्या सपरिवार, ग्राम के सभी समाजों के मुखियाओं तथा आसपास के ग्रामों से पधारे जैन समाजजनों द्वारा माताजी की भव्य अगवानी की गई। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर एवं आरती उतारकर स्वागत किया। हमीरपुर के नव-निर्मित जिनालय में विराजित मनोज्ञ आदिनाथ प्रभु के दर्शन कर माताजी अत्यंत प्रसन्न हुईं। अपने प्रवचन में उन्होंने उपस्थित जनसमूह को मार्मिक उद्बोधन देते हुए कहा कि जिस ग्राम में एक भी जैन परिवार निवास नहीं करता, वहाँ जयपुर निवासी हरकचंद बडजात्या द्वारा इतना भव्य जिनालय निर्माण कर मनोज्ञ प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा कर जैन धर्म की प्रभावना की जा रही है। साधु-संतों के आगमन के समाचार पर पूरा परिवार जयपुर से दौड़ा चला आता है, यह अत्यंत अनुकरणीय है। रात्रि में माताजी के सान्निध्य में मुनिसुव्रत चालीसा, कल्याण स्तोत्र, प्रतिक्रमण तथा 48 दीपकों से संगीतमय भक्तामर पाठ का आयोजन हुआ। बाहर से पधारे सभी श्रावकों ने सायंकाल वात्सल्य भोज के पश्चात मधुर संगीत के साथ श्रीजी एवं तत्पश्चात माताजी की आरती का लाभ लिया। रात्रि विश्राम जैन भवन-धर्मशाला में किया गया। प्रातःकाल माताजी के उद्बोधन के पश्चात जिनाभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। माताजी ने मंदिर परिसर व धर्मशाला का अवलोकन कर संघ सहित कामदार निवास पर पधार कर अपने चरणरज से उसे पावन किया।

परिदृश्य

विमान हादसों में नेताओं की विदाई

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशीय हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर देश को स्तब्ध कर दिया है। संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001) और वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरणों की सूची में यह नई कड़ी एक पुराना प्रश्न दोहराती है: क्या ये हादसे महज संयोग हैं, कोई गहरी साजिश या फिर हमारी विमानन व्यवस्था की ढांचागत कमजोरी? भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब विलासिता नहीं, बल्कि समय की अनिवार्यता बन चुकी है। चुनावी दौर में एक नेता सप्ताह में औसतन 40-50 उड़ानें भरता है। समय बचाने के लिए निजी विमान और छोटे हेलीकॉप्टर पहली पसंद होते हैं, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि व्यावसायिक विमान सेवाओं की तुलना में निजी विमानों की दुर्घटना दर कई गुना अधिक है। इसके पीछे सीमित अनुभव वाले चालक, पुराने विमान, अस्थायी हवाई पट्टियां और मौसम संबंधी सटीक जानकारी का अभाव जैसे कारण प्रमुख हैं। अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या केवल राजनेता ही विमान हादसों का शिकार होते हैं? वास्तविकता यह है कि 'चयन-पूर्वाग्रह' के कारण हमें ऐसा प्रतीत होता है। भारत में हर वर्ष कई छोटे विमान दुर्घटनाग्रस्त होते हैं जिनमें आम नागरिक मारे जाते हैं, परंतु संचार माध्यमों का ध्यान केवल उच्च पदस्थ चेहरों पर केंद्रित रहता है। वैश्विक स्तर पर भी, चाहे पोलैंड के राष्ट्रपति हों या रूसी अधिकारी, हर हादसे के बाद ''षड्यंत्र का सिद्धांत'' पहले आता है और तथ्य बाद में। यह प्रवृत्ति न केवल जांच को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी पैदा करती है। समस्या मूलतः प्रबंधन की है। अब शोक के बाद भूल जाने की परिपाटी छोड़नी होगी। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम अनिवार्य हैं:

समर्पित विमानन इकाई: राजनेताओं के लिए वायुसेना के अति-विशिष्ट बेड़े की तर्ज पर एक विशेष इकाई हो, जिसमें आधुनिक दिशा-सूचक यंत्रों से युक्त विमान हों। **कठोर मानक और निगरानी:** निजी विमानों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय हों और उनकी निरंतर डिजिटल निगरानी अनिवार्य की जाए।

संपादकीय

भारत-यूरोपीय संघ का ऐतिहासिक समझौता

भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया है। करीब 19 साल की लंबी माथापच्ची, उधेड़बुन और तमाम असमंजसों के बाद दोनों बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियां इस 'महासौदे' पर सहमत हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन ने इस सर्वाधिक व्यापक 'मुक्त व्यापार समझौते' की घोषणा कर एक नई विश्व-व्यवस्था की बुनियाद रख दी है। इसे 'विश्व-परिवर्तनकारी' इसलिए माना जा सकता है क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक व्यापारिक समझौते के दायरे में होगी। भारत और यूरोप की संयुक्त अर्थव्यवस्था दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 25 प्रतिशत है और वैश्विक व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा इन दोनों के बीच होता है। इस साझेदारी के माध्यम से वर्ष 2032 तक व्यापार को 40 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है। चूंकि यूरोपीय संघ 27 देशों का समूह है और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि भारत चौथी सबसे बड़ी शक्ति बन चुका है, लिहाजा यह वास्तव में व्यापारिक समझौतों की जननी है। यह समझौता केवल क्रय-विक्रय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की 'शुल्क संबंधी हठधर्मिता' और संरक्षणवादी नीतियों का एक शालीन एवं रचनात्मक जवाब भी है। इसके अतिरिक्त, चीन के समांतर भारत को 'नवाचार एवं विनिर्माण केंद्र' के रूप में स्थापित कर चीनी वर्चस्व को सीधी चुनौती दी गई है। वर्तमान में चीन में सक्रिय लगभग 1700 यूरोपीय कंपनियों के भारत आने की प्रबल संभावना बन गई है। 2027 में जब यह समझौता पूर्णतः लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पाद यूरोपीय बाजारों में या तो 'शुल्क-मुक्त' होंगे या उन पर मामूली कर लगेगा। इस सूची में वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा, जूते-चप्पल, औषधियां (विशेषकर सामान्य दवाएं), मशीनरी, जैतून तेल और रासायनिक उपकरण जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। 2030 तक यूरोपीय बाजार में भारतीय निर्यात को 300 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है, जिससे कानपुर, आगरा, सूरत और तमिलनाडु जैसे केंद्रों के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को भारी लाभ होगा। यूरोपीय आयोग के अनुसार, 4 अरब यूरो से अधिक के कर खत्म किए गए हैं, जिससे लाखों नई नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, दोनों पक्षों के छात्र, शोधार्थी और पेशेवर एक-दूसरे के देशों में सहजता से आ-जा सकेंगे। वर्तमान में यूरोप में 8 लाख से अधिक भारतीय कार्यरत हैं, जिनके लिए यह समझौता नई संभावनाएं खोलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस समझौते को साझा समृद्धि का खाका कहा है। नीदरलैंड से होने वाले तकनीकी हस्तांतरण से 2030 तक भारत दुनिया के शीर्ष 5 अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) केंद्रों में शामिल हो सकेगा। वहीं फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देश भारत में अपनी रक्षा इकाइयां स्थापित कर सकेंगे। आम उपभोक्ताओं के लिए भी यह सुखद खबर है; भारी कर के बोझ वाली यूरोपीय कारें अगले पांच वर्षों में न्यूनतम कर के दायरे में आ जाएंगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जीवन को बदलने वाले अनमोल किस्से

श्वेता गोयल

आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि है। 30 जनवरी 1948 को हुई उनकी हत्या के बाद से इस दिन को प्रतिवर्ष ''बलिदान दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले गांधी जी के संपूर्ण जीवन ने वैश्विक स्तर पर मानवता को प्रभावित किया। उन्होंने सत्य, अहिंसा और 'साधनों की पवित्रता' जैसे सिद्धांतों से दुनिया का ध्यान खींचा। उनके आदर्शों के कारण ही वे आज भी करोड़ों दिलों में जीवित हैं। उनका मंत्र था स्वयं वह बदलाव बनिए, जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। महात्मा गांधी की ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के अनेक किस्से आज भी हमें बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं।

अपराध बोध और सत्य की शक्ति

दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान गांधी जी के एक निकट सहयोगी व्यापारी, रूस्तम जी, अक्सर उनसे सलाह लिया करते थे। रूस्तम जी व्यापार में चुंगी की चोरी करते थे, परंतु यह बात उन्होंने गांधी जी से छिपा रखी थी। एक बार जब चुंगी अधिकारियों ने उनकी चोरी पकड़ ली और उनके जेल जाने की नौबत आ गई, तब वे घबराकर गांधी जी के पास पहुंचे। गांधी जी ने उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए सलाह दी सीधे अधिकारियों के पास जाओ और अपना अपराध स्वीकार कर लो, चाहे जेल ही क्यों न हो जाए। गांधी जी की बात मानकर रूस्तम जी ने वैसा ही किया। उनकी स्पष्टवादिता से अधिकारी इतने प्रसन्न हुए कि मुकदमा चलाने के बजाय केवल दोगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया गया। यह घटना सिखाती है कि सत्य स्वीकार करने का साहस बड़ी से बड़ी विपत्ति को टाल सकता है। गांधी जी के जीवन का एक और रोचक किस्सा चम्पारण यात्रा का है। वे रेलगाड़ी के तीसरे दर्जे में सफर कर रहे थे। भीड़ कम होने के कारण वे एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर एक किसान चढ़ा और गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए बोला खड़े हो जाओ! यहां ऐसे पसरे हो जैसे रेल तुम्हारे बाप की हो। गांधी जी बिना कुछ कहे चुपचाप उठकर एक कोने में बैठ गए। वह किसान उसी बर्थ पर बैठकर भजन गाने लगा धन-धन गांधी जी महाराज! दुखियों का दुख मिटाने वाले...। विडंबना यह थी कि वह गांधी जी के दर्शन के लिए ही जा रहा था, पर उन्हें पहचानता नहीं था। स्टेशन पहुंचने पर जब हजारों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब किसान को अपनी गलती का अहसास हुआ। वह शर्म से पानी-पानी हो गया और उनके चरणों में गिर पड़ा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक गले लगा लिया।

कर्म के प्रति निष्ठा

जेल प्रवास के दौरान एक दिन गांधी जी अपना कार्य समय से पहले समाप्त कर पुस्तक पढ़ रहे थे। तभी एक संतरी ने आकर सूचना दी कि जेलर मुआयना करने आ रहे हैं, इसलिए वे कुछ काम करते हुए दिखें। गांधी जी ने दिखावा करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा दिखावा करने से बेहतर है कि मुझे ऐसी जगह भेजा जाए जहां इतना काम हो कि समय से पहले पूरा न हो सके। गांधी जी का मानना था कि इंसान को अपनी तारीफ के बजाय अपनी बुराई सुनने का साहस रखना चाहिए। उनके तीन बंदरों का संदेश 'बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत कहो' आज भी सकारात्मक जीवन जीने का सबसे बड़ा सूत्र है। गांधी जी कहते थे कि जिस दिन प्रेम की शक्ति, शक्ति के प्रति प्रेम पर हावी हो जाएगी, दुनिया में स्वतः ही अमन आ जाएगा।

अवधपुरी में वेदी शिलान्यास की तैयारियां तेज

नवकार युवा मंच ने जारी की कार्यक्रम पत्रिका

जयपुर. शाबाश इंडिया

अवधपुरी स्थित श्री पदमप्रभु जिनालय में आगामी 1 फरवरी को आयोजित होने वाले भव्य वेदी शिलान्यास समारोह को लेकर समाज में भारी उत्साह है। कार्यक्रम को सफल बनाने और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से नवकार युवा मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार रात्रि मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई।

जिम्मेदारियों का बँटवारा और अनुशासन पर जोर

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए युवाओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। मंच के पदाधिकारियों ने धार्मिक आयोजनों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, अनुशासन बनाए रखने और सेवा भावना के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया। उपस्थित सदस्यों ने एकजुट होकर इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

पत्रिका का भव्य विमोचन

इस अवसर पर वेदी शिलान्यास कार्यक्रम की आधिकारिक आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। इस पत्रिका में शिलान्यास विधि, धार्मिक महत्व और आयोजन से जुड़ी समस्त आवश्यक जानकारियों को सम्मिलित किया गया है। पत्रिका विमोचन के दौरान समाजजनों में विशेष उत्साह देखा गया।

समाज से सहभागिता की अपील

नवकार युवा मंच ने सभी समाजबंधुओं से सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर पुण्य लाभ कमाने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। इस अवसर पर इंद्रप्रकाश जैन, विवेक जैन, संजय जैन, जितेंद्र जैन, अतुल जैन, धवल जैन, आकाश जैन, उदित जैन, पीयूष जैन, विपिन जैन, तरुण जैन, शुभम जैन सहित नवकार युवा मंच के सदस्य और गणमान्य समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कारीटोरन पंचकल्याणक: पात्रों का चयन और भव्य वेदिका शिलान्यास संपन्न

बकस्वाहा (रत्नेश जैन रागी). शाबाश इंडिया। बुन्देलखण्ड के प्राचीनतम दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कारीटोरन (ललितपुर) में मुनि श्री समत्व सागर जी एवं मुनि श्री शील सागर जी महाराज के सान्निध्य में आगामी 7 से 13 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले गजरथ महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। हाल ही में प्रतिष्ठाचार्य पं. महेश कुमार डीमापुर के निर्देशन में जिनेन्द्र सहस्त्रकूट चैत्यालय का भव्य वेदिका शिलान्यास संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री समत्व सागर जी ने पात्र बनने के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। महोत्सव के प्रमुख पात्रों का चयन उत्साहपूर्वक किया गया, जिसमें सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य मुकेश कुमार-मीना जैन (दमोह) को मिला। वहीं, डॉ. विजय कुमार-सुधा (कारीटोरन) कुबेर, डॉ. श्रेयांश-सुमन (ककरवाहा) महायज्ञ नायक, डॉ. अंकुर-पायल (मुंबई) चक्रवर्ती और माधव शास्त्री-रश्मि (शाहगढ़) राजा श्रेयांश बने। पं. महेश कुमार को माता-पिता बनने का सौभाग्य पूर्व में ही प्राप्त हो चुका है। **700 प्रतिमाओं की होगी प्रतिष्ठा:** 1635 वर्ष प्राचीन इस जीवंत तीर्थ क्षेत्र में होने वाले अनुष्ठान में 11 फीट ऊँची खड्गासन मुद्रा की 26 प्रतिमाओं सहित कुल 700 प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा होगी। यहाँ नवनिर्मित शिखर अपनी ऊँचाई और शास्त्रीय भव्यता के कारण 4 किलोमीटर दूर से ही दर्शनीय है। कार्यक्रम में क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों सहित ललितपुर, बकस्वाहा और शाहगढ़ के अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे। मंच संचालन बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया 'पुण्यांश' ने किया।

टी-10 भारत सनातन प्रीमियर क्रिकेट लीग का पोस्टर लॉन्च

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश की सबसे बड़ी सनातन आधारित टी-10 भारत सनातन प्रीमियर क्रिकेट लीग (एसपीएल-2026) के आयोजन की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। लीग के अंतर्गत राजधानी जयपुर में 4 एवं 5 फरवरी 2026 को निःशुल्क क्रिकेट ट्रायल आयोजित किए जाएंगे, जबकि तीन दिवसीय राष्ट्रीय टूर्नामेंट आगामी 13 से 15 मार्च 2026 तक इंदौर में खेला जाएगा। इस बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन दिल्ली के प्रख्यात कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर ने किया। इस अवसर पर भारत सनातन प्रीमियर लीग के संस्थापक श्री विजय शर्मा, सह-संस्थापक श्री देव जोशी एवं श्री आनंद मिश्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लीग की जानकारी देते हुए विश्व सेवा शांति समिति, जयपुर के मुख्य व्यवस्थापक श्री अखिलेश अत्री ने बताया कि प्रतियोगिता के ट्रायल्स में 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी बिना किसी पंजीकरण शुल्क के भाग ले सकते हैं। इस लीग में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 8 टीमें भाग लेंगी। सभी टीमों के नाम भारत के महान वीरों एवं महापुरुषों के नाम पर रखे गए हैं, ताकि खिलाड़ी उनके त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा ले सकें। प्रतियोगिता टी-10 फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी, जिसमें कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें ग्रुप स्टेज, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शामिल होंगे। सभी मैच डे-नाइट प्रारूप में होंगे, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को रोमांचक अनुभव मिलेगा। फाइनल मुकाबले से पूर्व एक विशेष फ्रेंडली मैच का भी आयोजन किया जाएगा, जो आपसी सद्भाव, एकता एवं खेल भावना का प्रतीक होगा। संतों के मार्गदर्शन एवं सान्निध्य से युवाओं को अनुशासन, आत्मसंयम और जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। मुख्य व्यवस्थापक श्री अत्री ने बताया कि ट्रायल्स के माध्यम से 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें विशेष क्रिकेट कैंप में प्रोफेशनल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कैंप से चयनित 16 खिलाड़ी एसपीएल-2026 में राजस्थान टीम ''महाराणा प्रताप रणबांकुरे राजस्थान'' की ओर से खेलने का अवसर प्राप्त करेंगे। यह टूर्नामेंट राष्ट्रीय गौरव क्रिकेट प्रतियोगिता के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें खेल के साथ-साथ संस्कृति और सेवा भावना को भी प्रमुख स्थान दिया जाएगा। भारत सनातन प्रीमियर लीग 2026 की विजेता टीम को 31 लाख रुपये तथा उपविजेता टीम को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि लीग के आयोजन एवं प्रायोजकों से प्राप्त समस्त राशि का उपयोग पूर्णतः समाज सेवा के लिए किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक रन पर 500 रुपये की राशि बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं में पीड़ितों की सहायता, आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों के विवाह, एसिड अटैक पीड़ित बेटियों के उपचार व पुनर्वास, गरीब बच्चों की शिक्षा तथा गंभीर बीमारियों से जूझ रहे परिवारों की मदद में व्यय की जाएगी।

वर्णी ग्राम हंसेरा में गणतंत्र दिवस की धूम

सक्रिय कार्यकर्ताओं और मेधावी प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

वर्णी ग्राम हंसेरा. शाबाश इंडिया

वर्णी संस्थान विकास सभा जनकल्याण समिति एवं विचार संस्था, सागर के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस का महापर्व वर्णी ग्राम हंसेरा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सोमवार को आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में वर्णी स्मारक पर ध्वजारोहण के साथ-साथ समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों का सम्मान किया गया।

शानदार ध्वजारोहण और देशभक्ति की गूँज

राष्ट्रीय महापर्व के अवसर पर वर्णी संस्थान के संरक्षक डॉ. पी.सी. जैन (महामंत्री, उदासीन आश्रम) और डॉ. शिखर चंद जैन (मड़ावरा) ने सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान की गूँज के साथ तिरंगे को सलामी दी गई। इस दौरान स्कूली बच्चों ने वर्णी

स्मारक पर आकर्षक रंगोली सजाई और देशभक्ति के नारों व गीतों से पूरे ग्राम को गुंजायमान कर दिया।

प्रतिभाओं और कर्मयोगियों का सम्मान

इस अवसर पर वर्णी स्मारक के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. पी.सी. जैन, डॉ. शिखर चंद जैन, डी.के. सराफ, राजीव जैन (मड़ावरा), अनिल जैन (भोपाल) और सरपंच छत्रपाल सिंह शामिल रहे। विशेष रूप से ग्राम की कक्षा दसवीं की मेधावी छात्रा रुक्मणी को उसकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया गया।

बुंदेलखंड के गांधी थे वर्णी जी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि वर्णी जी ने भले ही इस ग्राम में जन्म लिया, लेकिन उनका नाम आज पूरे देश में शिक्षा की अलख जगाने के लिए सम्मान से लिया जाता है। वहीं, डी.के. सराफ ने बताया कि वर्णी जी ने 100 से अधिक शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में जो कार्य किया, उसके कारण उन्हें 'बुंदेलखंड का गांधी' कहा जाता है। स्वतंत्रता संग्राम में भी उनकी सहभागिता अद्वितीय रही है।

दी बधाई

कार्यक्रम का संचालन मनीष विद्यार्थी और राजकुमार जैन कर्द ने किया, जबकि आभार महामंत्री कैलाशचंद्र जैन टीला ने व्यक्त किया। इस सफल आयोजन पर स्मारक के अधिष्ठाता पं. जीवंधर शास्त्री (जबलपुर), राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत जैन शास्त्री और मुख्य संयोजक चंद्रेश शास्त्री (भोपाल) ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई संदेश प्रेषित किए।

गणतंत्र दिवस पर शहीदों को किया नमन

डॉ. अशोक दुबे 'स्टार सोशल सम्मान' से विभूषित

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्टार सोशल ग्रुप द्वारा प्रताप मैरिज गार्डन में गणतंत्र दिवस का महापर्व देशभक्ति और सामाजिक संकल्पों के साथ मनाया गया। इस भव्य समारोह में न केवल जयपुर, बल्कि चूरू, गंगानगर और अजमेर से आए देशभक्तों ने अमर शहीदों को याद किया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी अपनाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर जन-संवाद

स्टार सोशल ग्रुप के प्रमुख डॉ. राकेश केदावत के सान्निध्य में इस अवसर पर एक जन-सेमिनार का आयोजन भी किया गया। सेमिनार का मुख्य विषय प्रदूषण से फैलती बीमारियाँ एवं उपचार रहा। डॉ. केदावत ने बढ़ते प्रदूषण के खतरों के प्रति आगाह करते हुए इसके बचाव और उपचार के वैज्ञानिक तरीकों पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट विभूति का सम्मान

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में, डॉ. अशोक दुबे को उनके उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में दिए गए विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. दुबे को दुपट्टा, स्मृति चिह्न, शील्ड और पदक पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। प्रकृति के प्रति उनके प्रेम को देखते हुए उन्हें उपहार स्वरूप एक पौधा भी भेंट किया गया।

सामाजिक चेतना का केंद्र बना आयोजन

सूर्योदय से सूर्यास्त तक चले इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वदेशी संकल्प पर जोर देते हुए कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी जब हम राष्ट्र के संसाधनों और पर्यावरण की रक्षा करेंगे। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रार्थना से मन की शांति

अनिल माथुर, ज्वाला-विहार, जोधपुर

आज का मानव भौतिक सुविधाओं से घिरा हुआ है, फिर भी उसका मन अशांत है। तनाव, चिंता, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ ने जीवन को जटिल बना दिया है। ऐसे समय में प्रार्थना मनुष्य के लिए एक ऐसा संबल है, जो उसे भीतर से शांति और संतुलन प्रदान करती है। प्रार्थना केवल शब्दों का उच्चारण नहीं है, बल्कि यह आत्मा की गहराई से निकली हुई अनुभूति है। जब व्यक्ति ईश्वर के समक्ष अपने मन के भाव सरलता से रख देता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। प्रार्थना हमें यह विश्वास दिलाती है कि हम अकेले नहीं हैं; कोई अदृश्य शक्ति हमारा मार्गदर्शन कर रही है। प्रार्थना के समय मन वर्तमान क्षण में स्थिर हो जाता है। इससे बीते हुए कल की पीड़ा और आने वाले कल की चिंता से मुक्ति मिलती है। यह एक प्रकार का ध्यान है, जो मन को एकाग्र कर अशांति को दूर करता है। नियमित प्रार्थना से विचारों में पवित्रता आती है और नकारात्मक भावनाएँ स्वतः कम होने लगती हैं। संकट के समय की गई प्रार्थना मन को विशेष शक्ति प्रदान करती है। परिस्थितियाँ भले ही तुरंत न बदलें, पर उन्हें सहने और धैर्य रखने की शक्ति अवश्य मिलती है। प्रार्थना हमें क्षमा और स्वीकार्यता सिखाती है—और यही गुण मन की शांति के मूल आधार हैं। परिवार या समाज में सामूहिक प्रार्थना आपसी सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। यह हमें एक-दूसरे से जोड़ती है और मानवता की भावना को मजबूत बनाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रार्थना मन का उपचार है। यह भीतर की व्याकुलता को हरकर जीवन में संतुलन, विश्वास और शांति का संचार करती है। सच्चे मन से की गई प्रार्थना हमें स्वयं से और परमात्मा से जोड़कर जीवन को सरल और सुंदर बना देती है।

विराटनगर के श्री पंचखंड पीठ में उमड़ेगी आस्था

श्रीवज्रांगदेव हनुमान महाप्रभु का 90वां पाटोत्सव आज

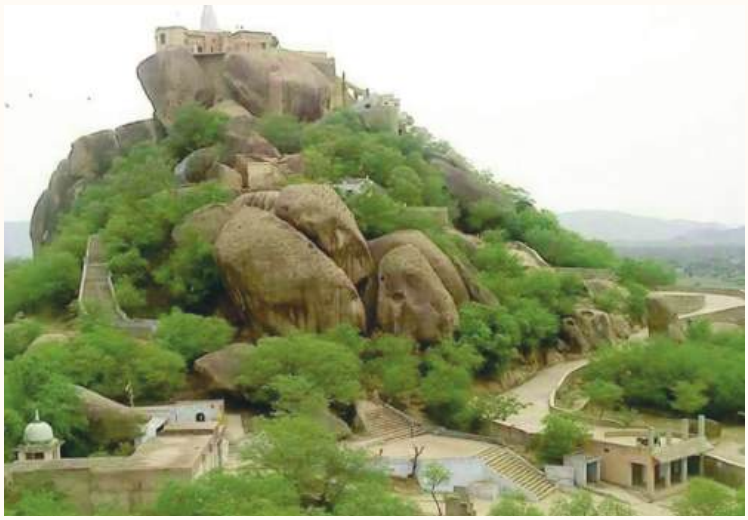

विराटनगर. शाबाश इंडिया। अरावली पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित और महाभारत कालीन गौरव को संजोए हुए श्री पंचखंड पीठ में शनिवार को आध्यात्मिक उत्सव की धूम रहेगी। भीम गिरी पर्वत के उच्च शिखर पर विराजमान विश्व की एकमात्र मानव रूपी हनुमान प्रतिमा, श्री वज्रांग देव हनुमान महाप्रभु का 90वां पाटोत्सव पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सान्निध्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

महात्मा रामचंद्र वीर की तपोस्थली और ऐतिहासिक उद्धार

विराटनगर का इतिहास अत्यंत प्राचीन है, परंतु इसे पुनर्जीवित करने का श्रेय संत शिरोमणि श्रीमन्महात्मा रामचंद्र वीर महाराज को जाता है। उन्होंने आत्म-विस्मृति के अंधकार में डूबे इस तीर्थ स्थल का उद्धार किया। विक्रम संवत 1993 में स्थापित लघु प्रतिमा के बाद, संवत 2009 में महाप्रभु के 40 क्विंटल (100 मन) वजनी विशाल विग्रह की स्थापना की गई। दुर्गम रास्तों से इस भारी प्रतिमा को शिखर पर पहुँचाना आज भी एक चमत्कार और अटूट जन-आस्था का प्रतीक माना जाता है।

पांडवकालीन संस्कृति और भीमसेन की विरासत

पर्वतमालाओं के मध्य स्थित प्राचीन गुफा में महापराक्रमी भीमसेन महाराज विराजमान हैं, जो पिछले 5000 वर्षों से लोक देवता के रूप में पूजनीय हैं। पौराणिक मान्यता है कि राजा विराट के साले कीचक का वध करने के बाद भीम ने इसी स्थान पर पैर के प्रहार से जल निकाला था। 12 फीट लंबे इस 'भीम कुंड' में आज भी अनवरत जल रहता है, जिसे श्रद्धालु गंगाजल की तरह पवित्र मानते हैं। विश्व में यह संभवतः एकमात्र स्थान है जहाँ दोनों पवन पुत्रों (हनुमान और भीम) की एक साथ पूजा होती है।

धार्मिक संपदा और देवालय

पंचखंड पीठ केवल हनुमान जी का मंदिर नहीं, बल्कि वैदिक संस्कृति का केंद्र है। यहाँ:

प्राकृतिक गुफा: 75 क्विंटल वजनी और 7 फीट ऊँची एकादश रुद्र शिव प्रतिमा।

अज्ञातवास के साक्ष्य: भगवान कृष्ण, पांचों पांडव, द्रौपदी, बर्बरीक श्याम बाबा, देवी हिडिंबा और श्री लक्ष्मी नरसिंह के प्राचीन मंदिर।

अखंड ज्योत: यहाँ अनवरत प्रज्वलित अखंड ज्योति आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है।

पाटोत्सव के विशेष कार्यक्रम

पावन धाम सेवा समिति के मामराज सोलंकी ने बताया कि शनिवार को आयोजित मेले के दौरान विशेष धार्मिक अनुष्ठान होंगे। कार्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार है:

प्रातः कालः विशेष हवन, महाप्रभु का अभिषेक और भव्य श्रृंगार।

दोपहरः महाप्रसाद एवं भजन सत्संग कार्यक्रम।

सायं कालः विशाल कुश्ती दंगल, जिसमें विभिन्न राज्यों के नामी पहलवान अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

विराटनगर का यह पाटोत्सव न केवल स्थानीय भक्तों बल्कि देश-प्रदेश से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए संकट निवारण और कामना पूर्ति का एक पावन केंद्र बन गया है।

कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट में शान से लहराया तिरंगा

बुजुर्गों के हाथों संपन्न हुआ ध्वजारोहण

जयपुर. शाबाश इंडिया। कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा देश के 77वें गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास और देशभक्ति के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर संस्थान के कार्यालय प्रांगण में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय गौरव के इस उत्सव में परंपरा का सम्मान करते हुए क्षेत्र के स्थानीय बुजुर्गों के कर-कमलों द्वारा ध्वजारोहण संपन्न कराया गया। तिरंगा फहराने के बाद उपस्थित सभी प्रबुद्ध नागरिकों, ट्रस्ट के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने राष्ट्रगान के साथ ध्वज को सलामी दी। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान और अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। बुजुर्गों द्वारा ध्वजारोहण कराना हमारी संस्कृति में उनके प्रति सम्मान और मार्गदर्शन का प्रतीक है। समारोह के अंत में सभी को मिठाई वितरित कर खुशियाँ साझा की गईं।

जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन की तन्वी जैन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया मेवाड़ का मान

उदयपुर/इंदौर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल इंटरनेशनल फेडरेशन (जेएसजीआईएफ) मेवाड़ रीजन की ओर से आयोजित सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में जेएसजी भीलवाड़ा की सदस्य श्रीमती तन्वी जैन ने अपनी गायन प्रतिभा से मेवाड़ रीजन का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन द्वारा उदयपुर में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक मंचों पर 19 जनवरी को हुई गायन कला प्रतियोगिता में श्रीमती तन्वी जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने ''वॉइस ऑफ जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन'' का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि के आधार पर उन्होंने 25 जनवरी को इंदौर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 'वॉइस ऑफ जेएसजीआईएफ' के लिए योग्यता प्राप्त की। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी श्रीमती तन्वी जैन ने अपनी सशक्त गायन प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया और जेएसजीआईएफ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बिरेन शाह के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। उनकी इस सफलता से संपूर्ण मेवाड़ रीजन का मान और गौरव बढ़ा है। इस अवसर पर जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन के चेयरमैन श्री अरुण मांडोत, वॉइस ऑफ जेएसजी संयोजक श्री मोहन बोहरा, सचिव श्री आशुतोष सिसोदिया, जेएसजी भीलवाड़ा के संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गोखरु, अध्यक्ष श्री प्रदीप सांखला तथा जेएसजी संगिनी अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा गोखरु ने श्रीमती तन्वी जैन का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

धर्म नगरी मोहना में मुनि श्री विनय सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

3 फरवरी को मोहना में मनाया जाएगा मुनि श्री का 12वां दीक्षा दिवस

मोहना (सोनल जैन). शाबाश इंडिया

परम पूज्य राष्ट्रसंत, सिद्धचक्र आराधक एवं जिन मंदिर जीर्णोद्धारक, प्रशांत मूर्ति श्रमण मुनि श्री 108 विनय सागर जी महाराज का आज धर्म नगरी मोहना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

गाजे-बाजे के साथ हुआ स्वागत मुनि श्री का विहार प्रातः 8:30 बजे श्री दिगंबर जैन मंदिर (चराई) से प्रारंभ हुआ। नगर की सीमा पर समाजजनों ने गाजे-बाजे के साथ उनकी अगवानी की।

हाथों में धर्म ध्वजा लिए बच्चों और मार्ग में आकर्षक रंगोली सजाए महिलाओं ने मुनि श्री का आत्मीय स्वागत किया। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने गुरुदेव की आरती उतारी और पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात, मुनि श्री का मंगल प्रवेश श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर (गढ़ी मोहना) में हुआ।

दीक्षा दिवस मनाने का किया निवेदन मीडिया प्रवक्ता सोनल जैन ने बताया कि मंदिर में प्रवेश के पश्चात मुनि श्री के मंगल प्रवचन हुए। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों एवं आगंतुक अतिथियों ने मुनि चरणों में श्रीफल भेंट कर प्रार्थना की कि पूज्य गुरुदेव का 12वां मुनि दीक्षा दिवस मोहना समाज के सानिध्य में आयोजित हो। मुनि श्री ने भक्तों की भावना को स्वीकार करते हुए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

4 फरवरी तक रहेगा प्रवास निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 03 फरवरी को मुनि श्री का दीक्षा दिवस मोहना में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पूज्य गुरुदेव का मोहना नगरी में प्रवास 04 फरवरी तक रहेगा।

डांगी परिवार एवं भामाशाहों ने विद्यालय को भेंट किया 91 हजार का फर्नीचर

'अभियान ABCD' के तहत दानदाताओं ने स्वर्गीय पीरू लाल डांगी की स्मृति में दिया सहयोग

रायपुर (जयपुर). शाबाश इंडिया। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, रायपुर के संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल द्वारा विद्यालय विकास हेतु चलाए जा रहे 'अभियान ABCD' के अंतर्गत भामाशाहों ने दरियादिली दिखाते हुए विद्यालय को 91 हजार रुपए मूल्य का फर्नीचर भेंट किया है। स्मृति में किया गया दान रायपुर निवासी गणपत लाल, रोशन लाल, दलेल सिंह डांगी एवं वर्तमान मुंबई निवासी महावीर व विमल डांगी ने स्वर्गीय पीरू लाल डांगी की पावन स्मृति में 52 हजार 500 रुपये की लागत के 15 टेबल-बेंच सैट भेंट किए। यह सहयोग कन्हैयालाल बोरदिया की प्रेरणा से प्राप्त हुआ। अन्य भामाशाहों का सहयोग इसी कड़ी में लेहरू लाल कुमावत एवं कन्हैयालाल बोरदिया ने 2-2 सैट तथा गणपत मांडोत, रज्जाक खान पठान, नारायण सुथार, प्रेम कुमावत, शांतिलाल कुमावत, ललित त्रिवेदी एवं रामकुमार सोमानी की ओर से 1-1 फर्नीचर सैट भेंट किया गया। इस अतिरिक्त फर्नीचर की कुल लागत 38,500 रुपये है। इस प्रकार विद्यालय को कुल 91,000 रुपये का फर्नीचर प्राप्त हुआ है। दानदाताओं का हुआ सम्मान इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्रशासक इंजीनियर रामेश्वर लाल छीपा ने की। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी दानदाताओं को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कन्हैयालाल वैष्णव, मदन कुमावत, सत्यनारायण तातेला, राजेंद्र मांडोत, संजय उपाध्याय, राधेश्याम काबरा, जय प्रकाश ओझा, कैलाश रावल, रवि टेलर, पवन काबरा, सीमा मंडोवरा और राजकुमार मूंदड़ा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज को श्रीफल भेंट कर नेमिसागर कॉलोनी के लिए किया निमंत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति द्वारा आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ को नेमिसागर कॉलोनी में प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर मंगल निमंत्रण दिया गया। समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन कालाडेरा ने बताया कि पूज्य आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज वर्तमान में मानसरोवर में ससंघ विराजमान हैं। उनके संघ में इस समय 16 मुनि एवं आर्यिकाएं सम्मिलित हैं। इस अवसर पर श्रेष्ठी विमल पाटनी, पूनम ठोलिया, प्रदीप निगोतिया, संजीव कासलीवाल, विजय बडजात्या, विरेन्द्र गोधा, जैना गंगवाल, मुन्नी ठोलिया, संतोष बाकलीवाल सहित समाज की महिलाएँ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कैमूर में महाराजाधिराज श्री हरसू ब्रह्म बाबा का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न, उमड़ा जनसैलाब

कैमूर (बिहार). शाबाश इंडिया

हरशुवंशी परिवार, कैमूर के तत्वावधान में आयोजित महाराजाधिराज श्री हरसू ब्रह्म बाबा का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिवपूजन शास्त्री जी महाराज, प्रसिद्ध गायक अंकुश राजा, विकास पांडेय सहित क्षेत्रीय माननीय मंत्री, विधायक एवं कई जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। धार्मिक अनुष्ठानों से हुई शुरूआत कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल शास्त्रार्चन, पुष्पाभिषेक एवं रुद्राभिषेक से हुआ। इसके पश्चात बाबा की भव्य झांकी एवं शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें ब्राह्मण समाज का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा। समाज के सभी वर्गों–बुजुर्गों, युवाओं एवं मातृशक्ति की सक्रिय सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। युवा नेतृत्व की सराहना इस भव्य आयोजन के मुख्य आयोजक संतोष कुमार चतुवेर्दी रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से संतोष चतुवेर्दी के नेतृत्व में यह शोभायात्रा निरंतर निकाली जा रही है। इस वर्ष भी उनके अथक परिश्रम, समर्पण एवं कुशल प्रबंधन के कारण कार्यक्रम भव्य और सफल रहा। आयोजन टीम का विशेष योगदान कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन टीम के सदस्यों–सूर्यांश पांडेय, विकास गौरव पांडेय, उत्तम पांडेय, अभिषेक मिश्रा, अमन मिश्रा, सोनू पांडेय, रैना पांडेय, दुर्गेश चौबे, शिवम, शुभम एवं अन्य का विशेष योगदान रहा। इन सभी के सहयोग, अनुशासन और सेवा भावना से पूरा कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

प्रशासन का आभार आयोजक मंडल द्वारा पुलिस-प्रशासन का विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से संपूर्ण शोभायात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज की एकता, युवाओं की नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।

रिपोर्टरः संतोष कुमार चतुवेर्दी

अर्हम योगः शरीर, मन और आत्मा को जागृत करने वाली सार्वभौमिक साधना

अर्हम योग कोई साधारण योग पद्धति नहीं है, बल्कि यह आत्मिक चेतना से जुड़ी एक ऐसी गहन साधना है, जिसका सूत्रपात मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज द्वारा किया गया। यह साधना किसी एक धर्म, पंथ, जाति या समाज तक सीमित नहीं है; बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए है जो अपने जीवन में मानसिक शांति, आंतरिक संतुलन और आत्मिक स्थिरता की खोज में है। आज के युग में जब मनुष्य बाहरी सुख-सुविधाओं से तो संपन्न होता जा रहा है, किंतु भीतर से निरंतर अशांत, तनावग्रस्त और असंतुलित है, ऐसे समय में अर्हम योग उसे अंतमुर्खी होने का मार्ग दिखाता है। 'अर्हम' शब्द भले ही जैन परंपरा से उद्भूत हो, लेकिन अर्हम योग की भावना संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए है। इसका मूल उद्देश्य किसी विशेष धार्मिक पहचान को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक जागरूक, संयमित और संतुलित बनाना है। यह साधना सिखाती है कि सच्चा परिवर्तन बाहर की दुनिया को बदलने से नहीं, बल्कि स्वयं के रूपांतरण से प्रारंभ होता है। जब व्यक्ति अपने भीतर शांति, स्पष्टता और स्थिरता विकसित करता है, तब उसका सकारात्मक प्रभाव उसके परिवार, कार्यस्थल और समाज पर स्वतः ही परिलक्षित होने लगता है। अर्हम योग में नाद साधना, विशेष मुद्राएं, तालबद्ध क्रियाएं, प्राणायाम और ध्यान को एक समन्वित प्रणाली के रूप में अपनाया जाता है। ये अभ्यास शरीर, मन और भावनाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करते हैं। नाद साधना मन को वर्तमान क्षण में लाने का कार्य करती है, जिससे विचारों की उथल-पुथल शांत होती है। मुद्राएं और तालबद्ध क्रियाएं शरीर में ऊर्जा प्रवाह को संतुलित करती हैं, जिससे व्यक्ति अधिक स्फूर्त और केंद्रित अनुभव करता है। प्राणायाम श्वास के माध्यम से मन को गहराई से शांत करता है और ध्यान साधना व्यक्ति को निज अस्तित्व की गहराइयों से जोड़ती है। इस साधना का प्रभाव केवल मानसिक शांति तक सीमित नहीं है। नियमित अभ्यास से व्यक्ति की स्मरण शक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता में गुणात्मक सुधार होता है। क्रोध, भय, चिंता और निराशा जैसे नकारात्मक भाव क्षीण होने लगते हैं और व्यक्ति अधिक धैर्यवान व सहनशील बनता है। यह परिवर्तन केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी प्रभावी होता है, क्योंकि एक संतुलित व्यक्ति ही स्वस्थ समाज की नींव रख सकता है। अर्हम योग का एक महत्वपूर्ण आयाम आत्मशुद्धि और आत्मनियंत्रण है। यह साधना व्यक्ति को अपने भीतर छिपी दुर्बलताओं और नकारात्मक प्रवृत्तियों को स्वीकार करने का साहस देती है। इस प्रक्रिया में विकसित हुआ आत्मबोध व्यक्ति को अधिक जिम्मेदार, करुणामय और संवेदनशील बनाता है। यही कारण है कि अर्हम योग केवल व्यक्तिगत कल्याण की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के उत्थान की भी साधना है। आज की प्रतिस्पर्धी और तीव्र रफ्तार वाली दुनिया में मनुष्य अक्सर अपने मूल्यों और आंतरिक शांति को विस्मृत कर देता है। अर्हम योग स्मरण कराता है कि वास्तविक सफलता बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक स्थिरता और संतोष में निहित है। जब व्यक्ति भीतर से अडिग होता है, तभी वह बाहरी चुनौतियों का सामना स्पष्टता और साहस के साथ कर पाता है। इस साधना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सार्वभौमिकता है। यह आयु, लिंग, धर्म, भाषा या सामाजिक स्थिति के बंधनों से परे है। कोई भी व्यक्ति इसे अपनाकर अपने जीवन की गुणवत्ता में स्थायी सुधार कर सकता है। अर्हम योग यह संदेश देता है कि शांति कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही विद्यमान है—यह साधना केवल उस तक पहुँचने का एक प्रशस्त मार्ग है। आज जब विश्व तनाव, असहिष्णुता और मानसिक दबाव के दौर से गुजर रहा है, अर्हम योग मानवता के लिए एक सर्वमान्य समाधान के रूप में उभरता है। यह हमें पहले स्वयं से जुड़ना सिखाता है। जब व्यक्ति स्वयं से जुड़ जाता है, तब वह दूसरों के प्रति भी अधिक सहानुभूतिपूर्ण और जिम्मेदार हो जाता है। अतः अर्हम योग केवल एक व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि एक मानवीय आंदोलन बनने की सामर्थ्य रखता है। निष्कर्षतः, अर्हम योग का संदेश अत्यंत सरल एवं प्रभावी है—अपने भीतर शांति सृजित करें, विचारों को शुद्ध करें, मन को संतुलित करें और जीवन को पूर्ण जागरूकता के साथ जिएं। यही प्रक्रिया व्यक्ति को भीतर से सशक्त बनाती है और समाज को एक स्वस्थ दिशा प्रदान करती है।

नितिन जैन

नसीराबाद की बेटी मीनाक्षी जैन राज्य स्तर पर सम्मानित

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नसीराबाद निवासी एवं ब्यावर में कार्यरत कृषि अधिकारी मीनाक्षी जैन को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। जयपुर में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में राजस्थान कृषि विभाग की आयुक्त चिन्मयी गोपाल ने मीनाक्षी जैन को कृषि क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मीनाक्षी जैन की इस उपलब्धि पर नसीराबाद सहित कृषि विभाग के अधिकारियों व शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप अंबाह द्वारा आचार्य विद्यासागर महाराज के समाधि दिवस पर 'विजयांजलि सभा' आयोजित

अंबाह (अजय जैन). शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, अंबाह के तत्वावधान में परेड स्थित दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के समाधि दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और संयम भाव से परिपूर्ण 'विजयांजलि सभा' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजजनों ने आचार्य श्री के चरणों में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके महान त्याग, तप, ज्ञान और राष्ट्रधर्म के प्रति समर्पण को नमन किया। महेश जैन सभा का शुभारंभ आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात सामूहिक नवकार मंत्र के जाप से मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। समाजसेवी महेश जैन 'विकल' ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज केवल एक संत ही नहीं, बल्कि युगद्रष्टा थे। उन्होंने अपनी कठोर साधना और ओजस्वी विचारों से संपूर्ण राष्ट्र को नैतिकता और संस्कार की नई दिशा दिखाई। प्रेरणास्रोत है आचार्य श्री का जीवन दर्शन आचार्य श्री के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए श्रीमती संध्या अनिल जैन (खरगोला) ने कहा कि आचार्य श्री ने अहिंसा, अपरिग्रह और आत्मसंयम को व्यवहार में उतारकर आदर्श प्रस्तुत किया। उनका सादगीपूर्ण जीवन, अल्पाहार और अनुशासन आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने राष्ट्रभाषा हिंदी के संरक्षण और संस्कृति को समाज की रीढ़ बताया। वहीं, वीरेंद्र जैन (शिक्षक) ने आचार्य श्री के संदेशों को रेखांकित करते हुए कहा कि महाराज जी का मानना था कि परिवर्तन भीतर से शुरू होता है। आदर्शों को जीवन में उतारने का लिया संकल्प कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्री की स्मृति में मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। विमल जैन 'राजू' ने कहा कि यह समाधि दिवस आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का अवसर है। सच्ची विजय इंद्रियों को जीतने में है। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संतोष जैन ने अपने उद्बोधन में समाज से आह्वान किया कि आचार्य श्री के संदेशों को केवल सुनें नहीं, बल्कि उन्हें दैनिक जीवन में अपनाएं। सभा के अंत में समाजजनों ने सामूहिक रूप से उनके बताए मार्ग—अहिंसा, संयम, सादगी और सेवा—पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ग्रुप के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, युवा एवं मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

'हम साथ हैं' ग्रुप की महिलाओं ने सेवा कार्यों से की नववर्ष की शुरूआत

जयपुर. शाबाश इंडिया

नववर्ष के शुभ अवसर पर 'हम साथ हैं' ग्रुप की महिलाओं द्वारा सामाजिक सरोकारों और जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से एक विशेष सेवा अभियान का शुभारंभ किया गया। इस सेवा यात्रा की शुरूआत जनवरी 2026 से की गई है। 80 बच्चों को कराया भोजन अभियान की पहली कड़ी के रूप में 'संबल समिति' के तत्वावधान में 80 वंचित बच्चों को भोजन कराने की सेवा का आरंभ किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अभावग्रस्त बच्चों तक उचित पोषण और स्नेह पहुँचाना है। शिक्षा और चिकित्सा पर रहेगा विशेष ध्यान ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य सामूहिक सहयोग के माध्यम से चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों की सहायता करना है। यह एक सतत प्रयास है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भी आवश्यक मदद पहुँच सके। इनका रहा सक्रिय सहयोग इस पुनीत अभियान में रश्मि जैन, सारिका जैन, रितु जैन, विनीता अजमेरा, निधि जैन, कविता जैन, रमिता जैन, नेहा जैन एवं सीमा जैन सक्रिय रूप से अपनी सहभागिता निभा रही हैं। सेवा का संदेश ग्रुप की ओर से यह संदेश दिया गया कि सेवा और सहयोग की भावना से किया गया एक छोटा सा प्रयास भी किसी के जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। सभी ने संकल्प लिया कि यह सेवा कार्य निरंतर, निस्वार्थ और समर्पित भाव से जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके।

नवकार ग्रुप ने राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को वितरित की ऊनी जर्सियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामाजिक सरोकारों में अग्रणी 'नवकार ग्रुप' द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, वरुण पथ के विद्यार्थियों को शीतलहर से बचाव हेतु ऊनी जर्सियां एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई। 50 विद्यार्थियों को मिली राहत ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि दिनांक 29 जनवरी 2026 को विद्यालय के 50 विद्यार्थियों को ऊनी जर्सियां एवं आवश्यकतानुसार बर्तनों का वितरण किया गया। यह पुनीत कार्य डॉ. सुनील कुमार जैन, डॉ. रश्मि जैन, श्रीमती चन्द्र कांता छाबड़ा, पदम चन्द रारा एवं निर्मल रारा के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। भामाशाहों का हुआ सम्मान इस अवसर पर प्रोफेसर आई.पी. जैन, सुरेश जैन (बांदीकुई), कैलाश चन्द सेठी, राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल, पूरणमल अनोपडा, प्रशांत त्यागी, सुशीला त्यागी एवं प्रेम चन्द गंगवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सेवा के इस प्रकल्प के लिए विद्यालय संचालकों द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का माल्यार्पण कर एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। विद्यालय प्रशासन ने नवकार ग्रुप के इस सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों का उत्साहवर्धन होता है।

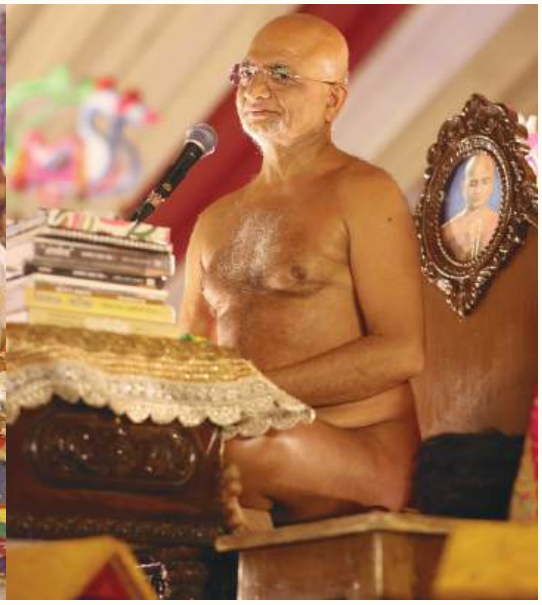

आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के सानिध्य में जयपुर में पहली बार होगा 'विवाह अणुव्रत संस्कार महोत्सव'

25 वर्ष तक के वैवाहिक जीवन वाले दंपतियों को मिलेगा आदर्शमयी संस्कार का मार्गदर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर (शिप्रा पथ) स्थित वी.टी. रोड ग्राउंड पर भव्य 'भगवत जिनेन्द्र महा अर्चना महोत्सव' एवं 'विश्व शांति महायज्ञ' जारी है।

इसी अनुष्ठान के तहत रविवार, 1 फरवरी 2026 को जयपुर में पहली बार 'विवाह अणुव्रत संस्कार महोत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। सामंजस्य और मजबूती का मंत्र रविवार प्रातः 7.00 बजे से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में 1 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक के वैवाहिक जीवन वाले दंपतियों को आमंत्रित किया गया है। आचार्य श्री द्वारा दंपतियों को आदर्श वैवाहिक जीवन, संयम, संस्कार युक्त आचरण और आपसी रिश्तों में सामंजस्य स्थापित करने के सूत्र बताए जाएंगे।

ड्रेस कोडः पुरुषों के लिए सफेद वस्त्र एवं महिलाओं के लिए केसरिया साड़ी अनिवार्य है।

पंजीकरणः महोत्सव में सहभागिता हेतु ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से निःशुल्क पंजीकरण करना होगा।

वाणी और व्यवहार में न हो हल्कापनः आचार्य श्री इससे पूर्व चल रहे श्री चारित्र शुद्धि महामण्डल विधान में गुरुवार को प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. तरुण भैया (इंदौर) के निर्देशन में भगवान का अभिषेक व शांतिधारा की गई। अष्ट द्रव्य से 146 अर्घ्य समर्पित कर धर्म ध्वजाएं चढ़ाई गईं।

आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा– 'जीवन में वाणी और व्यवहार में कभी भी हल्कापन नहीं होना चाहिए। हमेशा सोच-समझकर ही वचन बोलने चाहिए। बिना व्रतों और संयम के जीवन पशु समान है।'

उपाध्याय पियूष सागर महाराज ने भी संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी एक रेलगाड़ी के समान है, जिसे अनुशासन और संयम की पटरियों पर ही चलना चाहिए।

क्या है चारित्र शुद्धि व्रत और विधान? चारित्र शुद्धि महामण्डल विधान जीवन के दोषों को दूर करने और आत्मशुद्धि का मार्ग है। जैन परंपरा के अनुसारः

1234 उपवासः इस व्रत के तहत 1234 उपवासों का विधान है, जिससे तीर्थंकर पद की प्राप्ति और मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

तेरह प्रकार का चारित्रः इसमें पांच महाव्रत, पांच समिति और तीन गुप्तियों की शुद्धि पर बल दिया गया है।

नियमः व्रत के दौरान श्रृंगार, टीवी, हिंसक पदार्थ और कषायों (क्रोध, मान, माया, लोभ) का त्याग कर स्वाध्याय किया जाता है।

तीर्थों की वंदना से मन पावन, पवित्र और निर्मल होता है: गोकुलचंद जैन

श्री शांतिनाथ सेवा संघ तीर्थयात्रा महोत्सव का द्वितीय दिन: 621 यात्रियों का संघ श्रावस्ती पहुँचा

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

तीर्थ क्षेत्रों की वंदना करने से मन पावन, पवित्र और निर्मल हो जाता है। सौभाग्यशाली और पुण्यशाली मनुष्यों को ही तीर्थ वंदना का अवसर मिलता है, जिसका हमें पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। तीर्थ वंदना हमारे अंतरंग में संयम साधना के बीज अंकुरित करती है, जिससे वैराग्य पथ पर चलने का प्रोत्साहन मिलता है। ये विचार श्री शांतिनाथ सेवा संघ द्वारा आयोजित वार्षिक तीर्थयात्रा महोत्सव के अंतर्गत भगवान संभवनाथ स्वामी की जन्मस्थली श्रावस्ती में आयोजित सद्भावना संगोष्ठी में मुख्य संयोजक एवं वरिष्ठ समाजसेवी गोकुलचंद जैन (दिल्ली) ने व्यक्त किए। हरिश्चंद जैन शकरपुर, दिल्ली की सेवाभावी संस्था 'श्री शांतिनाथ सेवा संघ' द्वारा आयोजित इस अयोध्या-बनारस तीर्थयात्रा महोत्सव के दौरान संघ के अध्यक्ष हरिश्चंद जैन ने यात्रा की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने यात्रियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीर्थ यात्रा कराना पुण्य का कार्य है और संस्था भविष्य में भी ऐसे आयोजन हेतु प्रयासरत रहेगी। विधानाचार्य पं. रमेशचंद जैन (दिल्ली) ने संगोष्ठी का सफल संचालन करते हुए तीर्थ यात्रा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। 12 बसों के विशाल संघ ने किया प्रस्थान तीर्थयात्रा के द्वितीय दिन 621 तीर्थ यात्रियों का विशाल संघ 12 बसों के माध्यम से अयोध्या से श्रावस्ती के लिए रवाना हुआ। मुरैना के वरिष्ठ समाजसेवी व स्वतंत्र पत्रकार मनोज जैन नायक एवं वीरेंद्र कुमार जैन (आगरा) ने पचरंगी ध्वजा दिखाकर बसों को रवाना किया। श्रावस्ती पहुँचकर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना और वंदना की। तत्पश्चात, संघ ने भगवान धर्मनाथ स्वामी की जन्मस्थली धर्मपुरी पहुँचकर श्रीफल अर्पित किए और महाआरती की। महाआरती के समय जयकारों से समूचा आभामंडल गुंजायमान हो उठा। रात्रि में संघ बनारस (काशी) की यात्रा के लिए रवाना हो गया।

रिलायंस फाउंडेशन की स्किलिंग पहल से 1.8 लाख युवाओं को रोजगार, 3 लाख को प्रशिक्षण

मुंबई. शाबाश इंडिया

3 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और 1.8 लाख से ज्यादा को रोजगार देकर रिलायंस फाउंडेशन ने अपनी स्किलिंग पहलों में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फाउंडेशन अब तक 12 लाख से अधिक लोगों तक पहुँच चुका है। यह जानकारी मुंबई में आयोजित 21वीं सदी कौशल सम्मेलन में दी गई। सम्मेलन में सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, स्किलिंग विशेषज्ञों और युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान भविष्य की नौकरियों, बदलते कामकाज और युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में रिलायंस फाउंडेशन की स्किलिंग पहलों से जुड़े देशभर के 40 युवाओं को उनके सफल करियर के लिए सम्मानित भी किया गया। महाराष्ट्र सरकार की व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशक माधवी सरदेशमुख ने कहा, 'आज केवल डिग्री नहीं, बल्कि काम करने की क्षमता ज्यादा जरूरी है। भविष्य के लिए मजबूत कार्यबल बनाने में सरकारी और निजी क्षेत्र की साझेदारी अहम है।' रिलायंस फाउंडेशन की स्किलिंग एवं रोजगार कार्यक्रम प्रमुख नूपुर बहल ने कहा, 'जब युवाओं को सही कौशल और रोजगार के अवसर मिलते हैं, तभी देश आगे बढ़ता है। हमारा प्रयास है कि युवाओं को प्रशिक्षण के साथ बेहतर करियर का रास्ता भी मिले।' एनएसडीसी के सीईओ अरुणकुमार पिल्लै ने कहा, रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर हजारों युवाओं को उद्योग की जरूरत के अनुसार कौशल मिला है, जिससे उन्हें नौकरी पाने में मदद मिली है। रिलायंस फाउंडेशन का स्किलिंग कार्यक्रम देश के 28 राज्यों में चल रहा है। इसके तहत खासतौर पर उन युवाओं को नौकरी के लिए तैयार किया जाता है, जो पढ़ाई, रोजगार या प्रशिक्षण से बाहर हैं। युवाओं को संवाद, समस्या सुलझाने, टीमवर्क और नई तकनीकों से जुड़े कौशल सिखाए जाते हैं। फाउंडेशन कॉलेजों, एआईसीटीई और एनएसडीसी जैसे संस्थानों के साथ मिलकर शिक्षा और रोजगार के बीच बेहतर तालमेल बना रहा है। इसके अलावा, रिलायंस फाउंडेशन स्किलिंग अकादमी के जरिए युवाओं को आसान डिजिटल कोर्स और प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रिलायंस फाउंडेशन का लक्ष्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें आज के साथ-साथ भविष्य की नौकरियों के लिए भी तैयार करना है।

निवाई में आचार्य विद्यासागर महाराज का समाधि दिवस मनाया, संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन

राग-द्वेष की कालिमा हटने पर मनुष्य भी भगवान बन जाता है: आचार्य वर्धमान सागर जी

निवाई. शाबाश इंडिया

युगदृष्टा आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि दिवस के उपलक्ष्य में दिगम्बर जैन समाज, निवाई के श्रद्धालुओं द्वारा श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि गच्छाधिपति आचार्य वर्धमान सागर महाराज के आशीर्वाद से आयोजित इस समारोह में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया। इस अवसर पर भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य विज्ञा तीर्थ कार्याध्यक्ष सुनील भाणजा एवं नरेन्द्र जैन को प्राप्त हुआ। 48 दीपकों से सजा मण्डल महिला मंडल की शिप्रा जैन, शशी सोगानी, अर्चना टोंग्या और उनकी टीम द्वारा मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। महिलाओं ने संगीत की मधुर लहरियों के बीच रिद्धि मंत्रों का उच्चारण करते हुए भक्तामर पाठ के 48 श्लोकों की प्रस्तुति दी। प्रत्येक श्लोक के साथ श्रद्धालुओं ने मण्डल पर दीप समर्पित किए, जिससे पूरा मंदिर परिसर अलौकिक आभा से भर उठा। आचार्य वर्धमान सागर महाराज का मंगल प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा– 'जैसे धूप और छाया या जन्म और मरण का एक साथ रहना असंभव है, वैसे ही धर्म और अधर्म का मेल नहीं हो सकता। जब हमारे अंतर्मन से राग-द्वेष की कालिमा हटती है, तभी धर्म की जागृति होती है। राग-द्वेष के पूर्णतः विच्छिन्न होने पर मनुष्य स्वयं भगवान बन जाता है।' धार्मिक अनुष्ठानों की रही धूम इस अवसर पर बड़ा जैन मंदिर और बिचला जैन मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। गुरुवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज की आहारचर्या का सौभाग्य प्रेमचंद-राकेश कुमार सांवलिया परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महावीर प्रसाद छाबड़ा, महेश पाटनी, विमल गिन्दोडी, मुकेश संधी, अशोक बिलाला, त्रिलोक रजवास सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ एवं श्रावक उपस्थित रहे।

नसीराबाद में गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक आयोजित, उपखण्ड अधिकारी ने किया ध्वजारोहण

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया। उपखण्ड मुख्यालय पर सोमवार को गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह मिशन ग्राउंड में हर्षोल्लास एवं समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव रहे, जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। गणमान्य जनों की रही उपस्थिति समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस उपअधीक्षक कृष्ण कुमार यादव, नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी पिंटू लाल जाट, पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर, छावनी परिषद वेरिड बोर्ड सदस्य सुशील कुमार गदिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश मेहरा एवं सिटी थानाधिकारी पंकज कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन इस अवसर पर नगर की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। समारोह के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कार्मिकों और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न कार्यालयों पर हुआ ध्वजारोहण गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नगर के प्रमुख राजकीय भवनों पर भी गरिमामय ढंग से ध्वजारोहण किया गया: छावनी परिषद: मुख्य अधिशाषी अधिकारी डॉ. नीतिश कुमार गुप्ता, न्यायालय भवन: अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश नवीन मीणा, उपखण्ड कार्यालय: एसडीएम देवीलाल यादव, तहसील कार्यालय: तहसीलदार राकेश कुमार, राजकीय सामान्य चिकित्सालय: पीएमओ डॉ. विनायक गौड़, पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय: डीएसपी कृष्ण कुमार यादव, सिटी थाना: थानाधिकारी पंकज कुमार, सदर थाना: थानाधिकारी अशोक बिशू, गुप्तचर शाखा: विजयराज।

श्री राधाकृष्ण भगवान सेवा ट्रस्ट द्वारा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ संपन्न

मुंबई (कांदिवली). शाबाश इंडिया। जानू पाड़ा स्थित परिसर में श्री राधाकृष्ण भगवान सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित 'श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ' श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कथा के व्यास श्री श्री कुणाल जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित कथा रसधार का भक्तों ने भरपूर लाभ उठाया। भक्तिमय वातावरण में डूबे श्रद्धालु कथा के दौरान महाराज जी ने भगवान की विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। आयोजन स्थल का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। कथा के समापन पर भव्य आरती के उपरांत विशाल महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संस्था एवं गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष अनिल पटेल, धीरेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, चंद्रकांत, राजकुमार पांडे, अंगद सिंह और रविकांत शुक्ला की सराहनीय भूमिका रही। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र नाथ पांडेय, साहित्यकार लक्ष्मीकांत मिश्र 'कमलनयन', राकेश पांडे सहित कई गणमान्य हस्तियां कथा श्रवण करने पहुँचीं। कथा व्यास जी ने उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के समापन पर संस्था के पदाधिकारी गिरजा शंकर दुबे एवं सुशील चौबे ने पधारे हुए सभी भक्तों, सहयोगियों और अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।